राजस्थान सरकार
निदेशालय, समेकित बाल विकास सेवाएं
2, जलपथ, गांधी नगर, जयपुर

क्रमांक ए.11(3)पो/मबावि/2003/ 86861-87197 जयपुर, दिनांक 4.7.16

उप निदेशक
महिला एवं बाल विकास विभाग,
समस्त।

बाल विकास परियोजना अधिकारी,
समेकित बाल विकास सेवाएं,
समस्त।

विषय :– दिनांक 1–7 अगस्त, 2016 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाने के कम में।

जैसा कि आपको विदित है कि स्तनपान के संरक्षण, प्रचार एवं सहयोग सम्बन्धी महत्वपूर्ण पहलूओं पर ध्यान आकर्षित करने हेतु प्रतिवर्ष 1–7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। भारत सरकार के निर्देशानुसार पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी दिनांक 1–7 अगस्त, 2016 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाना है। इस वर्ष की विषयवस्तु 'स्तनपानः पोषणीय विकास का उपाय है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि आप समस्त कार्यकर्ताओं को सैक्टर बैठकों में विश्व स्तनपान सप्ताह के आयोजन एवं इस दौरान इस तथ्य को उजागर करने हेतु निर्देशित करें कि "मॉ का दूध ही शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार है" जो नवजात शिशु को प्रथम 6 माह के लिए पौष्टिक आहार सम्बन्धी सभी आवश्यकतायें पूरी करता है, ताकि वे अपने कार्य क्षेत्र में बैठके, प्रचार–प्रसार एवं विचार गोष्ठियों का आयोजन कर सकें। इन बैठकों एवं गोष्ठियों में दी जाने वाली जानकारी में निम्न बातों को भी सम्मिलित करें :–

(1) मां का दूध शिशु के लिए प्रकृति का उपहार है।
(2) जन्म के बाद जितनी जल्दी हो सके मॉ अपने बच्चे को दूध पिलायें।
(3) पहला पीला गाढा (कॉलस्ट्रम) दूध अवश्य पिलायें।
(4) 6 माह तक केवल स्तनपान करायें, फिर स्तनपान के साथ उपरी आहार भी दें। दही, खिचडी, दलिया, मसला हुआ केला।
(5) सामान्य दस्त होने पर भी मॉ बच्चे को बार–बार दूध पिलायें।
(6) बच्चें को मॉ का दूध कम से कम दो साल अथवा जहॉ तक मॉ का दूध बने तब तक अवश्य पिलायें।
(7) भूख लगे तो मॉ का दूध, प्यास लगे तो मॉ का दूध पिलायें।
(8) मां का दूध पीने वाला बच्चा अधिक बुद्विमान होता है तथा उसका बौद्विक स्तर मां का दूध न पीने वाले बच्चे की तुलना में 8 अंक ज्यादा हो सकता है।
(9) स्तनपान से मॉ और बच्चें में भावनात्मक लगाव बढता है।
(10) स्तनपान दो बच्चों के जन्म में दूरी रखता है।
(11) स्तनपान से माता का शरीर सुडौल बनी रहती है तथा अस्थियों की कमजोरी से बचाने में सहायक होता है।
(12) स्तनपान कराने से स्तन कैन्सर और गर्भाशय के कैन्सर की सम्भावना कम होती है।

Directorate of Integrated Child Development Services, 2, Jal Path, Gandhi Nagar, Jaipur- 302015
Ph. No.0141-2700246, fax 0141-2705638, 2700281 e-mail - adn.wcd@rajasthan.gov.in
Web-Site www.wcd.rajasthan.gov.in

(13) बोतल से दूध पिलाना बच्चें के लिए हानिकारक है।
(14) स्तनपान से शिशु मृत्यू दर में 13–16 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है।
(15) स्तनपान शिशु को निमोनिया, एजर्ली, अस्थमा, दस्त रोग आदि बीमारियों से बचाता है।
(16) कामकाजी महिलाओं को सिर्फ स्तनपान कराने के समय सहयोग की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए मॉ को स्तन से दूध निकालकर सामान्य तापमान में संरक्षित कर देना चाहिए जो परिवार के सदस्यों द्वारा कटोरी चम्मच से पिलाया जा सकता है। मॉ का दूध 24 घंटे के लिए सामान्य तापमान पर रखा जा सकता है।
(17) परिवार को स्तनपान के विषय में जानकारी होनी चाहिए। इन्हे मां का काम का बोझ आपस में बॉटकर स्तनपान हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए।
(18) परिवार में मॉ के खाने में परहेज बरतना चाहिए।
(19) प्रीलेक्टल पदार्थो (घुट्टी, पानी व अन्य दूध) को उपयोग में नहीं लेना चाहिए।
(20) कॉलस्ट्रम (खीस) को फेंकना नहीं चाहिए।
(21) अनुभवी माताओं को चाहिए कि वे नयी माताओं को सफलतापूर्वक स्तनपान को प्रोत्साहित करें, यह मॉ को मॉ का सहयोग कहलाता है।

सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी/महिला पर्यवेक्षक अपने क्षेत्रों में महिला मण्डल/महिला स्वयं सहायता समूह/मातृ समिति की बैठक एवं संगौष्ठि आयोजित करें एवं मॉ के दूध की उपयोगिता के बारे में समझावें।सप्ताह के दौरान प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की सुझावात्मक सूची संलग्न है। स्तनपान सप्ताह के दौरान किए गए आयोजनो की रिपोर्ट निदेशालय में 15 दिवस में आवश्यक रूप से प्रेषित करें।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार ।

(डॉ. समित शर्मा)
निदेशक
समेकित बाल विकास सेवाएं,
राज. जयपुर।

क्रमांक ए.11(3)पो/मबावि/2003/ 97198-304 जयपुर, दिनांक 4.7.16

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :–

1. विशिष्ठ सहायक, मा. राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग, राज.जयपुर।
2. डॉ. राजेश कुमार, संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001 को उनके अ.शा. पत्र क्रमांक–17/2/2016-NDIE दि. 20.06.16 के क्रम में।
3. निजी सचिव, शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग राज. जयपुर।
4. निजी सचिव, निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं, राज. जयपुर।
5. प्रभारी अधिकारी, खाद्य एवं पोषण बोर्ड, भारत सरकार, 80/174, महर्षि गौतम मार्ग, मानसरोवर, जयपुर।
6. सहायक निदेशक (आई.ई.सी) मुख्यालय।
7. प्रभारी अधिकारी कम्प्यूटर शाखा को विभागीय बेवसाइट पर अपलोड करने हेतु।

(डॉ. ब्रज भूषण शर्मा)
अतिरिक्त निदेशक (पोषाहार)

Annexure - I

Suggestive plan of activities to be **organized during the World Breastfeeding Week 1-7th August, 2016**

Theme: "Breastfeeding: A key to Sustainable Development"

Sl. No.	Theme	Activity	Reference Material	Target Group
1.	Breastfeeding promotion through ICDS Breastfeeding promotion through Health System Institutional delivery (Ministry of Health and Family Welfare's Guideline	Orientation by District/State Officials of ICDS and NRHM	Broad Framework of implementation ICDS Mission (wcd.nic.in) NRP – poshan.nic.in Enhancing optimal infant and Young Child Feeding Practices (Guidelines by MoHFW)	DPOs CDPOs BMOHs LHVs ICDS Supervisors School Teachers and any Others
2.	Role of Anganwadi Workers in breastfeeding promotion. (Preparing pregnant mothers for breastfeeding, counseling and follow up after delivery)	Orientation by CDPOs/ICDS Supervisors/NGOs	Available literature on breastfeeding (Poshan.nic.in)	AWWs, AWHs
3.	Effective implementation of the Infant Milk Substitutes, Feeding bottles, and Infant Foods (IMS Act) by discouraging mothers/caregivers from using commercial breast milk substitutes and feeding bottles, Promotion of IMS Act.	Sensitization by Block ICDS and NRHM Officials	1. National Guidelines of infant and Young Child Feeding and other relevant material (wcd.nic.in) 2. BPNI website NRP (poshan.nic.in)	AWWs AWHs, Community, Mothers
4.	Breastfeeding a baby- Demonstration of correct positioning of baby and addressing common problems during breastfeeding.	Demonstration by MOs, LHVs, ANMs, ICDS Supervisors, IYCF counsellers/trainers	Relevant available material (poshan.nic.in) BPNI website	AWWs, ASHAs, Mothers, Adolescent girls
5.	Exclusive breastfeeding, • Its importance	Knowledge dissemination by District/Block level Officials of ICDS and Health	Available relevant material (poshan.nic.in) BPNI website	AWWs, ICDS Supervisors, Mothers

Suggestive activities at the Anganwadi Centre during Breastfeeding Week

Day	Activity
1	Community/family sensitization on breastfeeding
2	Mothers meet (specially pregnant and lactating women)
3	Growth monitoring linked with counseling on breastfeeding
4	Healthy Baby Show
5	Sensitization on breastfeeding through audio aids like miking, wall writing etc.
6	Display/exhibition on breastfeeding at Anganwadi Centres.
7	Quiz competition on breastfeeding involving women, mothers, adolescent girls, grand mothers

Note: Any other activity as may be locally appropriate.

Prizes and incentives may be given as appropriate

Annexure- II

Suggestive activities at the Anganwadi Centre during Breastfeeding Week

Day	Activity
1	Community/family sensitization on breastfeeding
2	Mothers meet (specially pregnant and lactating women)
3	Growth monitoring linked with counseling on breastfeeding
4	Healthy Baby Show
5	Sensitization on breastfeeding through audio aids like miking, wall writing etc.
6	Display/exhibition on breastfeeding at Anganwadi Centres.
7	Quiz competition on breastfeeding involving women, mothers, adolescent girls, grand mothers

Note: Any other activity as may be locally appropriate.

Prizes and incentives may be given as appropriate